

भारत सरकार  
रेल मंत्रालय

लोक सभा  
03.12.2025 के  
अतारांकित प्रश्न सं. 600 का उत्तर

गैर-वातानुकूलित कोच में अत्यधिक भीड़-भाड़

600. श्री जिया उर रहमान:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार इस विचार से सहमत है कि भारतीय रेल को विशेषकर व्यस्त मार्गों पर गैर-वातानुकूलित डिब्बों में भीड़भाड़ की समस्या से निपटने की आवश्यकता है;
- (ख) यदि हाँ, तो इस संबंध में सरकार द्वारा उठाए गए/उठाए जाने वाले कदमों का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
- (ग) स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली (कवच) को एक स्ट्रक्चर्ड मिशन मोड में लागू करने में तेज़ी लाने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): भारतीय रेल ने सामान्य/शयनयान श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ही, विभिन्न लंबी दूरी की गाड़ियों में 1250 सामान्य सवारी डिब्बों का उपयोग किया गया है।

निम्न एवं मध्यम आय परिवारों की यात्रा संबंधी मांग को पूरा करने हेतु भारतीय रेल ने 17,000 अवातानुकूलित सवारी डिब्बों (सामान्य/शयनयान) का विनिर्माण भी शुरू किया है।

भारतीय रेल में अवातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रतिशत लगभग 70% है, जैसा कि निम्नानुसार दर्शाया गया है:

तालिका 1: सवारी डिब्बों का वितरण:

|   |             |          |
|---|-------------|----------|
| अवातानुकूलित सवारी डिब्बे (सामान्य और शयनयान) | लगभग 57,200 | लगभग 70% |
| वातानुकूलित सवारी डिब्बे                      | लगभग 25,000 | लगभग 30% |
| कुल सवारी डिब्बे                              | लगभग 82,200 | 100%     |

सामान्य सवारी डिब्बों की अधिक उपलब्धता के कारण, सामान्य/अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि का रुझान देखा गया है, जैसा निम्नानुसार दर्शाया गया है:

तालिका 2: सामान्य/अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रियों की संख्या:

| वर्ष    | यात्रियों की संख्या    |
|---------|------------------------|
| 2020-21 | 99 करोड़ (कोविड वर्ष)  |
| 2021-22 | 275 करोड़ (कोविड वर्ष) |
| 2022-23 | 553 करोड़              |
| 2023-24 | 609 करोड़              |
| 2024-25 | 651 करोड़              |

पिछले कुछ वर्षों में अवातानुकूलित सवारी डिब्बों के यात्रियों के लिए उपलब्ध सीटों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्तमान संरचना निम्नानुसार है:

तालिका 3: सीटों का वितरण:

|                    |             |          |
|--------------------|-------------|----------|
| अवातानुकूलित सीटें | लगभग 54 लाख | लगभग 78% |
| वातानुकूलित सीटें  | लगभग 15 लाख | लगभग 22% |
| कुल                | लगभग 69 लाख | 100%     |

इसके अलावा, सामान्य और अवातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए अधिक स्थान प्रदान करने के उद्देश्य से, मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों की संरचना के संबंध में मौजूदा नीति के अनुसार, 22 सवारी डिब्बों की एक गाड़ी में 12 (बारह) सामान्य श्रेणी और शयनयान श्रेणी के अवातानुकूलित सवारी डिब्बे और 08 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बे मुहैया कराए जाते हैं,

फलस्वरूप सामान्य और अवातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों को अधिक स्थान उपलब्ध कराया जा रहा है।

अमृत भारत सेवा:

निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के परिवारों को सुलभ यातायात साधन उपलब्ध कराने हेतु भारतीय रेल ने अमृत भारत सेवाएँ प्रारम्भ की हैं, जो पूर्णतः अवातानुकूलित आधुनिक रेलगाड़ियां हैं। दिनांक 3.11.2025 तक कुल 30 सेवाएँ परिचालन में हैं। वर्तमान में अमृत भारत में 11 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बें, 8 शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बें, 1 पेंटीकार और 2 द्वितीय श्रेणी सामान सह दिव्यांगजन कोच शामिल है।

उच्च गति और उन्नत संरक्षा मानक इन रेलगाड़ियों की पहचान हैं, जिनमें निम्नलिखित उन्नत विशेषताएं और सुविधाएं हैं:

- वंदे भारत स्लीपर के समान बेहतर रूप और अनुभूति वाली सीट और बर्थों की बेहतर साज-सज्जा।
- झटका मुक्त सेमी-ऑटोमेटिक कपलर्स।
- क्रैश ट्यूब के प्रावधान से सवारी डिब्बों में बेहतर क्रैशवर्दीनैस।
- सभी सवारी डिब्बों और सामान कक्ष में सीसीटीवी प्रणाली का प्रावधान।
- शौचालयों का बेहतर डिज़ाइन।
- बर्थ पर आसानी से चढ़ने के लिए सीढ़ी का बेहतर डिज़ाइन।
- बेहतर एलईडी लाइट फिटिंग और चार्जिंग सॉकेट।
- ईपी सहायता प्राप्त ब्रेकिंग प्रणाली का प्रावधान।
- शौचालयों और इलेक्ट्रिकल क्यूबिकल्स में एरोसोल आधारित अग्नि शमन प्रणाली।
- यूएसबी टाइप-ए और टाइप-सी मोबाइल चार्जिंग सॉकेट।

- यात्री और गार्ड/रेलगाड़ी प्रबंधक के बीच पारस्परिक संचार के लिए आपातकालीन टॉक-बैंक प्रणाली।
- उन्नत तापन क्षमता वाली अवातानुकूलित पेंटी।
- आसानी से जोड़ने और अलग करने के लिए त्वरित निस्तारण तंत्र के साथ पूर्ण रूप से सीलबंद गैंगवे।

इसके अलावा, अनारक्षित एकोमोडेशन का लाभ उठाने के इच्छुक यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल द्वारा किफायती यात्रा के लिए अनारक्षित अवातानुकूलित यात्री गाड़ियां/एमईएमयू/ईएमयू आदि का परिचालन किया जाता है, जो मेल/एक्सप्रेस गाड़ी सेवाओं में उपलब्ध अनारक्षित एकोमोडेशन (डिब्बे) के अतिरिक्त हैं।

अमृत भारत एक्सप्रेस गाड़ियों की शुरुआत, मेमू ट्रेनों के निर्माण, तथा 17,000 अवातानुकूलित सामान्य/शयनयान सवारी डिब्बों के विशेष निर्माण कार्यक्रम के क्रियान्वयन के माध्यम से, भारतीय रेल निम्न एवं मध्य आय वर्ग के उन परिवारों की यात्रा-संबंधी आवश्यकताओं को प्रभावी रूप से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो भारतीय रेल को एक सुलभ एवं किफायती परिवहन साधन के रूप में प्राथमिकता देते हैं।

कवच स्वचालित रेलगाड़ी संरक्षण (एटीपी) प्रणाली:

1. कवच एक स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और विनिर्मित की गई स्वचालित रेलगाड़ी संरक्षा प्रणाली (एटीपी) है। कवच एक अत्यधिक प्रौद्योगिकी प्रधान प्रणाली है, जिसके लिए उच्चतम स्तर के संरक्षा प्रमाणीकरण (एसआईएल-4) की आवश्यकता होती है।
2. यदि लोको पायलट ब्रेक लगाने में विफल रहता है तो कवच स्वचालित ब्रेक लगाकर लोको पायलट को निर्दिष्ट गति सीमा के भीतर रेलगाड़ी चलाने में सहायता करता है और यह खराब मौसम के दौरान रेलगाड़ी को संरक्षित ढंग से चलाने में भी सहायता करता है।

3. यात्री गाड़ियों पर पहला फील्ड परीक्षण फरवरी 2016 में शुरू किया गया था। इस प्रकार प्राप्त अनुभव और निष्पक्ष संरक्षा मूल्यांकनकर्ता द्वारा प्रणाली के निष्पक्ष संरक्षा मूल्यांकन के आधार पर, कवच संस्करण 3.2 की आपूर्ति के लिए 2018-19 में तीन फर्मों को अनुमोदित किया गया था।
4. कवच को जुलाई 2020 में राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अपनाया गया।
5. कवच प्रणाली के कार्यान्वयन में निम्नलिखित कार्यकलाप शामिल हैं:
  - क. प्रत्येक स्टेशन, ब्लॉक खण्ड पर स्टेशन कवच का संस्थापन।
  - ख. पूरे रेलपथ की लंबाई में आरएफआईडी टैग का संस्थापन।
  - ग. समग्र खंड में दूरसंचार टावरों का संस्थापन।
  - घ. रेलपथ के बगल में ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना।
  - ङ. भारतीय रेल पर चल रहे प्रत्येक रेल इंजन पर लोको कवच का प्रावधान।
6. दक्षिण मध्य रेल के 1,465 मार्ग किलोमीटर पर कवच संस्करण 3.2 को संस्थापित करने से प्राप्त अनुभवों से आगे और सुधार किए गए। अंततः आरडीएसओ द्वारा दिनांक 16.07.2024 को कवच प्रणाली के विशिष्ट संस्करण 4.0 को अनुमोदित किया गया।
7. कवच 4.0 संस्करण में विविध रेलवे नेटवर्क के लिए आवश्यक सभी प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं। यह भारतीय रेल की संरक्षा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अल्प अवधि के भीतर, भारतीय रेल ने स्वचालित रेलगाड़ी संरक्षण प्रणाली विकसित की, परीक्षण किया और उसे संस्थापित करना शुरू किया है।
8. कवच संस्करण 4.0 में किए गए प्रमुख सुधारों में अवस्थिति सटीकता में वृद्धि, बड़े यार्डों में सिगनल संबंधी पहलुओं की बेहतर जानकारी, ओएफसी पर स्टेशन-से-स्टेशन कवच इंटरफ़ेस और

मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली से सीधा इंटरफ़ेस शामिल है। इन सुधारों के बाद भारतीय रेल में कवच संस्करण 4.0 को व्यापक स्तर पर लगाने की योजना बनाई गई है।

9. व्यापक एवं विस्तृत परीक्षणों के उपरांत कवच संस्करण 4.0 का-दिल्ली-मुंबई मार्ग पर पलवल-मथुरा-नागदा रेलखंड (633 मार्ग-किलोमीटर) तथा दिल्ली-हावड़ा मार्ग पर हावड़ा-बर्धमान रेलखंड (105 मार्ग-किलोमीटर) पर कुल 738 मार्ग किलोमीटर पर सफलतापूर्वक कार्यान्वयन किया गया है। दिल्ली-मुंबई तथा दिल्ली-हावड़ा गलियारों के शेष रेलखंडों में कवच का कार्यान्वयन शुरू कर दिया गया है।
10. दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा गलियारों सहित उच्च घनत्व मार्गों पर कवच प्रणाली से संबंधित प्रमुख मदों की प्रगति निम्नानुसार है: -

| क्र.सं. | मदें                          | प्रगति            |
|---------|-------------------------------|-------------------|
| i.      | ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना     | 7129 कि.मी.       |
| ii.     | दूरसंचार टावरों का संस्थापन   | 860 अदद           |
| iii.    | स्टेशनों पर कवच का प्रावधान   | 549 अदद           |
| iv.     | ट्रैक साइड उपस्कर का संस्थापन | 2674 मार्ग कि.मी. |
| v.      | लोको में कवच का प्रावधान      | 4154              |

11. भारतीय रेल के सभी जीक्यू, जीडी, एचडीएन और चिह्नित रेलखंडों को कवर करते हुए लगभग 15,512 मार्ग कि.मी. के लिए कवच के रेलपथ साइड कवच कार्यान्वयन का कार्य आरंभ किया गया है।
12. अतिरिक्त 9,069 रेलइंजनों को कवच संस्करण 4.0 से लैस करने हेतु निविदाएँ आमंत्रित की गई हैं। रेलइंजनों में कवच की आपूर्ति चरणबद्ध एवं क्रमिक रूप से की जा रही है
13. सभी संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए भारतीय रेल के केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों में कवच पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक 40,000 से अधिक तकनीशियनों, ऑपरेटरों और इंजीनियरों को कवच प्रौद्योगिकी के विषय पर प्रशिक्षित किया जा

चुका है। इसमें 30,000 लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट सम्मिलित हैं। पाठ्यक्रमों का निर्माण आईआरआईएसईटी के सहयोग से तैयार किया गया है।

14. कवच के स्टेशन उपकरण सहित रेलपथ साइड के प्रावधान की लागत लगभग 50 लाख रुपए/कि.मी. है और इंजनों पर कवच के उपस्करों के प्रावधान की लागत लगभग 80 लाख रुपए/रेलइंजन है।
15. जून, 2025 तक 'कवच' प्रणाली से संबंधित कार्यों पर कुल ₹2015 करोड़ व्यय किए गए हैं। वर्ष 2025-26 के दौरान कुल ₹1673.19 करोड़ राशि का आवंटन हुआ है। कार्यों की प्रगति के अनुरूप आवश्यक पूंजी उपलब्ध कराई जाती हैं।

\*\*\*\*\*